HDI Report 2021-22

मानव विकास सूचकांक (HDI) जीवन प्रत्याशा, शिक्षा और प्रति व्यक्ति आय संकेतक का एक सांख्यिकीय समग्र सूचकांक है, जिसका उपयोग देशों को मानव विकास के चार स्तरों में क्रमबद्ध करने के लिए किया जाता है। इसे संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के द्वारा जारी किया जाता है । जिसे 1990 में पाकिस्तानी अर्थशास्त्री महबूब उल हक द्वारा तैयार किया गया और सम्मलित किया गया था। उनका उद्देश्य "विकास अर्थशास्त्र का केंद्र-बिंदु, राष्ट्रीय आय लेखा से मानव-केन्द्रित नीतियों पर स्थानांतरित करना था। मानव विकास रिपोर्ट तैयार करने के लिए, महबूब उल हक ने पॉल स्ट्रीटन, शशांक जायसवाल, फ्रैन्सस स्टीवर्ट, गुस्ताव रानीस, कीथ ग्रिफिन, सुधीर आनंद और मेघनाद देसाई सहित विकास अर्थशास्त्रियों के एक समूह का गठन किया। भारतीय नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन ने मानव क्षमताओं पर अपने काम में हक के काम का इस्तेमाल किया था।

UNDP द्वारा हर साल जारी होने वाली HDI रिपोर्ट में भारत पिछले साल 131वें पायदान पर था, लेकिन इस साल खिसककर 132वें नंबर पर आ गया है.

भारत ह्यूमन डेवेलपमेंट इंडेक्स (Human Development Index -HDI) में एक पायदान नीचे फिसल गया है. यूनाइटेड नेशंस डेवलपमेंट प्रोग्राम (United Nations Development Programme - UNDP) द्वारा जारी 2021-22 ग्लोबल ह्यूमन डेवलपमेंट रिपोर्ट में भारत 132वें पायदान पर है, जबकि पिछले साल इस रिपोर्ट में भारत 131वें पायदान पर था.

संयुक्त राष्ट्र मानव विकास सूचकांक की वर्ष 2020 की रिपोर्ट में भारत को 0.642 के HID स्कोर के साथ 130वें स्थान पर रखा गया था। पिछले वर्ष भारत मानव विकास सूचकांक (HDI) में 131वें स्थान पर था और इस वर्ष 2021-22 की रिपोर्ट में भारत का स्थान फिसलकर 191 देशों की सूची में 132वें स्थान पर पहुँच गया है।

HDI रिपोर्ट में इस बार 191 देशों को शामिल किया गया है.

रिपोर्ट के मुताबिक लिस्ट में शामिल ज्यादातर देशों के HDI में गिरावट आई है.

किसी भी देश का HDI निकालने के लिए वहां के लोगों की औसत आयु, शिक्षा और इनकम को खास तौर पर आधार बनाया जाता है.

UNDP की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत की इन्वेस्टमेंट, इंश्योरेंस और इनोवेशन (Investment, Insurance and Innovation- 3Is) पॉलिसी दुनिया के बाकी देशों के लिए उम्मीद बनी है. यानी भारत द्वारा रिन्यूएबल एनर्जी से लेकर पैंडेमिक की तैयारियों पर किए गए इन्वेस्टमेंट, सोशल सिक्योरिटी का इंश्योरेंस और लगातार इनोवेशन के पैमाने पर बाकी देशों के मुकाबले बेहतर काम किया गया है.

भारत में UNDP की रेजिडेंट रिप्रेजेंटेटिव शोको नोडा (Shoko Noda) ने बताया कि इन्वेस्टमेंट, इंश्योरेंस और इनोवेशन पर जोर देने की नीति लोगों को अनिश्चितता का सामना करने में सक्षम बनाती है. इन तीनों

ही क्षेत्रों में भारत बेहतर काम कर रहा है. भारत रिन्युएबल एनर्जी पर जोर देने, गरीब और कमजोर लोगों के लिए सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा देने और UNDP के सहयोग से Co-WIN के जरिए दुनिया की सबसे बड़ी वैक्सीनेशन मुहिम चलाने पर काफी जोर दे रहा है.

HDI वैल्यू में लगातार गिरावट

पहली बार लगातार दो साल तक HDI वैल्यू में गिरावट दर्ज की गई है. 90 फीसदी देशों की HDI वैल्यू 2020 और 2021 की रिपोर्ट में नीचे आई है. इसके लिए कोरोना महामारी, रूस, यूक्रेन जंग और क्लाइमेट चेंज जैसी चुनौतियों को भी जिम्मेदार बताया जा रहा है. लाइफ एक्सपेक्टेंसी (Life Expectancy) यानी अपेक्षित औसत आयु में गिरावट भी एचडीआई वैल्यू में गिरावट की बड़ी वजह है. UNDP द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक 2019 में पूरी दुनिया की लाइफ एक्सपेक्टेंसी यानी औसत अपेक्षित उम्र 72.8 साल थी जो 2021 में घटकर 71.4 साल रह गई है.

मानव विकास सूचकांक (HDI) 2022 में शीर्ष 5 रैंक नीचे दिए गए हैं:

HDI Rank	Country
1	**Switzerland**
2	**Norway**
3	**Iceland**
4	Hong Kong, China
5	Australia